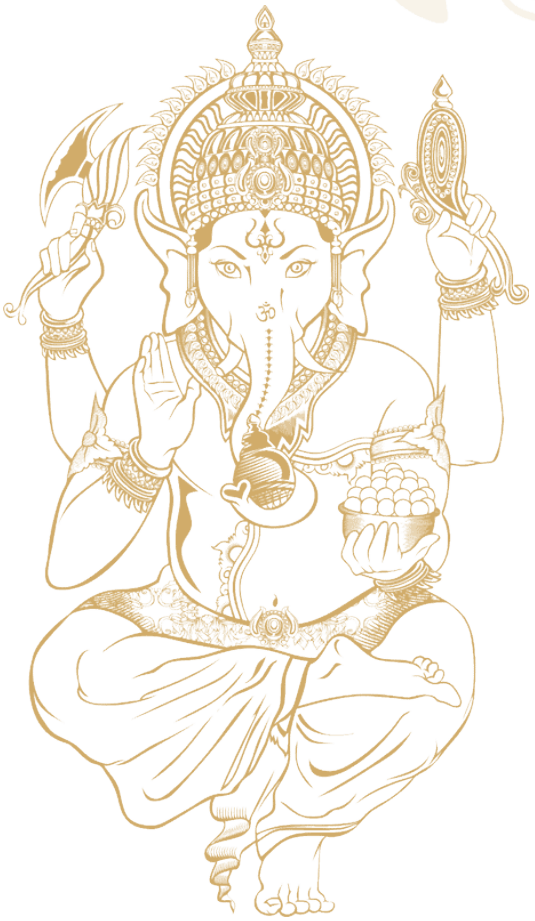

Mr. .....

26 Oct 2025

03:22 PM

Ayodhya

Model: web-freekundliweb

Order No: 119904302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/10/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**15:22:00 घंटे**
इष्ट	23:06:54 घटी
स्थान	**Ayodhya**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:47:00 उत्तर
रेखांश	82:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:20:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:05 घंटे
साम्पातिक काल	17:40:54 घंटे
सूर्योदय	06:07:14 घंटे
सूर्यास्त	17:22:55 घंटे
दिनमान	11:15:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:01:18 तुला
लग्न के अंश	29:07:55 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	29:07:55	501:58:38	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			तुला	09:01:18	00:59:51	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			धनु	02:17:03	11:56:53	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	29:16:56	00:42:26	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			वृश्चि	02:29:02	01:08:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			कर्क	00:30:07	00:03:09	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	21:22:00	01:14:52	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मीन	01:51:13	00:03:11	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	22:57:20	00:06:11	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:57:20	00:06:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:15:57	00:02:09	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:41:27	00:01:19	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:11:04	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			धनु	01:24:07	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

लग्न-चलित

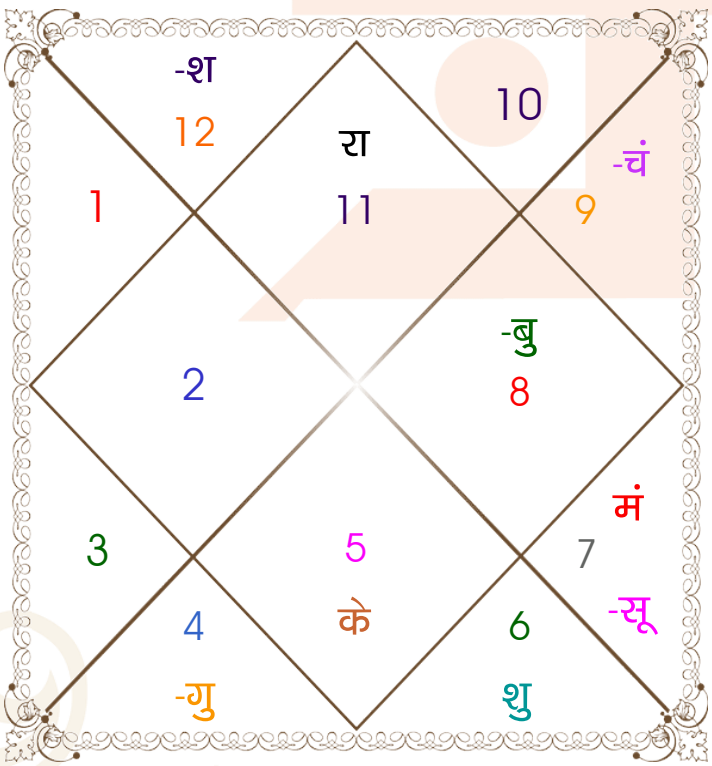

चन्द्र कुंडली

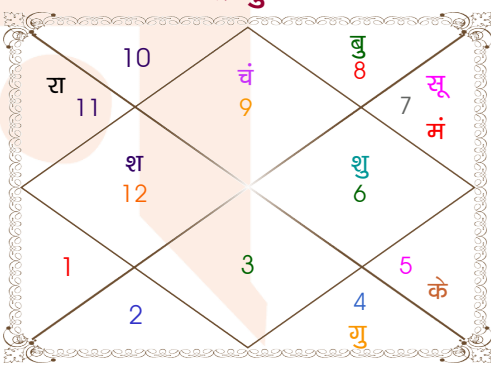

नवमांश कुंडली

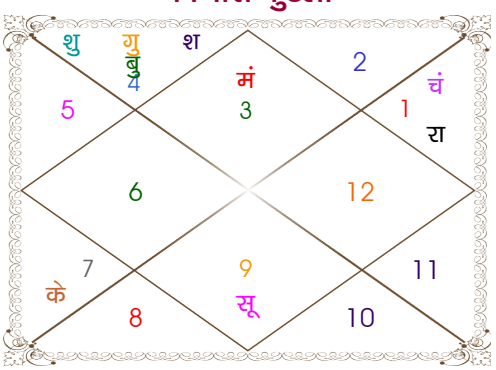

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 9 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/10/2025		15/08/2031		15/08/2051		14/08/2057		15/08/2067	
15/08/2031		15/08/2051		14/08/2057		15/08/2067		15/08/2074	
	26/10/2025	शुक्र	14/12/2034	सूर्य	02/12/2051	चंद्र	15/06/2058	मंगल	11/01/2068
शुक्र	12/03/2026	सूर्य	15/12/2035	चंद्र	02/06/2052	मंगल	14/01/2059	राहु	29/01/2069
सूर्य	18/07/2026	चंद्र	14/08/2037	मंगल	08/10/2052	राहु	15/07/2060	गुरु	04/01/2070
चंद्र	16/02/2027	मंगल	15/10/2038	राहु	02/09/2053	गुरु	14/11/2061	शनि	13/02/2071
मंगल	15/07/2027	राहु	14/10/2041	गुरु	21/06/2054	शनि	15/06/2063	बुध	10/02/2072
राहु	02/08/2028	गुरु	14/06/2044	शनि	03/06/2055	बुध	13/11/2064	केतु	09/07/2072
गुरु	09/07/2029	शनि	15/08/2047	बुध	08/04/2056	केतु	15/06/2065	शुक्र	08/09/2073
शनि	18/08/2030	बुध	15/06/2050	केतु	14/08/2056	शुक्र	13/02/2067	सूर्य	14/01/2074
बुध	15/08/2031	केतु	15/08/2051	शुक्र	14/08/2057	सूर्य	15/08/2067	चंद्र	15/08/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/08/2074		14/08/2092		15/08/2108		16/08/2127		15/08/2144	
14/08/2092		15/08/2108		16/08/2127		15/08/2144		00/00/0000	
राहु	27/04/2077	गुरु	02/10/2094	शनि	19/08/2111	बुध	12/01/2130	केतु	11/01/2145
गुरु	20/09/2079	शनि	15/04/2097	बुध	28/04/2114	केतु	09/01/2131	शुक्र	27/10/2145
शनि	27/07/2082	बुध	22/07/2099	केतु	07/06/2115	शुक्र	09/11/2133		00/00/0000
बुध	13/02/2085	केतु	27/06/2100	शुक्र	07/08/2118	सूर्य	15/09/2134		00/00/0000
केतु	03/03/2086	शुक्र	26/02/2103	सूर्य	20/07/2119	चंद्र	15/02/2136		00/00/0000
शुक्र	03/03/2089	सूर्य	16/12/2103	चंद्र	17/02/2121	मंगल	11/02/2137		00/00/0000
सूर्य	26/01/2090	चंद्र	16/04/2105	मंगल	29/03/2122	राहु	31/08/2139		00/00/0000
चंद्र	28/07/2091	मंगल	23/03/2106	राहु	02/02/2125	गुरु	06/12/2141		00/00/0000
मंगल	14/08/2092	राहु	15/08/2108	गुरु	16/08/2127	शनि	15/08/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 9 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।